आइआइएम रांची. नौवें दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री बोले

धन और ज्ञान के साथ चरित्र निर्माण पर भी ध्यान दें युवा

विशेष संवाददाता ▷ रांची

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि युवा ज्ञान और धन के साथ अपने चरित्र निर्माण पर भी ध्यान दें. अपनी कल्पना शक्ति का उपयोग तकनीक के साथ करें. युवा शिक्षा के अलावा अनुसंधान और समस्या समाधान विधियों को विकसित करें. आइआइएम रांची के विद्यार्थी झारखंड के लोगों को समझें. यहां की संस्कृति को जानें और राज्य व यहां के निवासियों के विकास के लिए काम करें. श्री सिंह सोमवार को आइआइएम रांची के नौवें दीक्षांत समारोह में नयी दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से बोल रहे थे. जबकि, रांची में संस्थान के नये परिसर स्थित सभागार में विद्यार्थी, शिक्षक उपस्थित थे. समारोह में सत्र 2018-2020 के 272 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गयी.

श्री सिंह ने कहा कि विद्यार्थी भारत के स्वर्णिम अतीत से प्रेरणा लें. महान गणितज्ञ रामानुजम भी बोर्ड में दो बार फेल हुए थे. युवा इनोवेशन और नये आइडिया से चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता रखते हैं. युवा अपनी धरोहर को समझें और आगे बढ़ें. भारत ने ही चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक आदि पूरे विश्व को राह दिखायी है. हालांकि, इसका श्रेय पश्चिम के वैज्ञानिक ले रहे हैं. रक्षा मंत्री ने कहा कि कुशल प्रबंधन से ही भारत ने कई मिसाल पेश की है. कोरोना संकट में जहां कई देशों ने घुटने टेक दिये, वहीं भारत में सीमित संसाधन रहने के बावजूद अन्य देशों के मुकाबले काफी कम नुकसान हुआ.

● देखें लाइफ@रांची भी

राजनाथ सिंह ने दिल्ली से ही वर्चुअल माध्यम से किया संबोधित

रांची में संस्थान के नये परिसर स्थित सभागार में मौजूद थे विद्यार्थी व शिक्षक

272 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गयी समारोह में सत्र 2018-2020 के

आइआइएम भवन के हॉल में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संबोधन को सुनते लोग.

माता-पिता सबसे बड़े प्रबंधक

श्री सिंह ने कहा कि माता-पिता सर्वश्रेष्ठ प्रबंधक होते हैं, जो बिना किसी डिग्री के ही परिवार का बेहतर प्रबंधन करते हैं. बदलते परिवेश में युवा भौतिक के साथ आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध बनें. ऐसी शिक्षा मिले, जो सिर्फ ज्ञान नहीं, संस्कार भी दे. हो सकता है कि कुछ छात्रों को मनपसंद काम नहीं मिला हो. लेकिन जो काम मिला है, उसे ही पूरे आनंद के साथ पूरा करने का प्रयास होना चाहिए. इस अवसर पर आइआइएम बोर्ड ऑफ गवर्नर के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांड्या, निदेशक डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह व अन्य मौजूद थे.

Prabhat Khabar, 29.12.2020, Pg.1